**केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1,ऊधमपुर**

**जिग्यासा कार्यक्रम के तहत एकीकृत चिकित्सा के भारतीय संस्थान(आई.आई.आई.एम.),जम्मू के वैज्ञानिकों की विद्यालय यात्रा पर रिपोर्ट**

**24-4-2020**

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने हमेशा अपने छात्रों और शिक्षकों को शिक्षण और सिखने के परिणामों को अधिकतम करने के लिए पुरे सत्र में कई अभिनव और प्रगतिशील गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास किया है।

'जिज्ञासा' कार्यक्रम केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के.वी.एस) द्वारा छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक ऐसा ही छात्र वैज्ञानिक कनेक्ट प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम के तहत वैज्ञानिक सम्बंधित स्कूलों का दौरा करते हैं और छात्रों के साथ बातचीत करते हैं, इसके बाद छात्र भारतीय एकीकृत चिकत्सा संसथान(आई.आई.आई.एम.),जम्मू की प्रयोगशालाओं का दौरा करके अपने ज्ञान में वृद्धि करते हैं।

जिज्ञासु कार्यक्रम के तहत इन गतिविधियों की श्रंखला में, भारतीय एकीकृत चिकत्सा संसथान,जम्मू के दो वैज्ञानिकों द्वारा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक **1**,ऊधमपुर का **26-07-2019** को दौरा किया गया जिसमे उन्होंने विद्यार्थियों अवं शिक्षकों के साथ बातचीत की। स्कूल आने वाले वैज्ञानिक डॉ. अमित नरगोत्रा और डॉ. पी.एल.सांगवान, दोनों आई.आई.आई.एम,जम्मू में वरिष्ट वैज्ञानिकों का पद्द संभाल रहे हैं।

इस कार्यक्रम में के.वी. क्रमांक 1,ऊधमपुर के सम्मानित प्राचार्य श्री सुमित मेहरा, श्री विक्रमादित्य (पी.जी.टी. फिजिक्स), कुमारी नवजोत कौर (पी.जी.टी. फिजिक्स), श्रीमती सीनिआमोल एम.वी. (पी.जी.टी. बायोलॉजी),श्रीमती सुषमा ((पी.जी.टी. केमिस्ट्री), कुमारी रोसी

धीमान (टी.जी.टी साइंस), श्री सुरिंदर कुमार (टी.जी.टी साइंस), श्रीमती रेनू यादव (टी.जी.टी साइंस) और श्रीमती ज्योति गुप्ता(टी.जी.टी साइंस) ने कक्षा दसवीं,ग्यारवी (वैज्ञानिक क्षेत्र) एवं बारहवी(वैज्ञानिक क्षेत्र) के लगभग 100 विद्यार्थियों सहित भाग लिया एवं लाभ उठाया।

वैज्ञानिकों ने अपने व्याख्यान की शुरुआत विज्ञानं स्ट्रीम में उच्च अध्धयन के लिए विभिन्न करियर विकल्पों की चर्चा के साथ की, इसके बाद आई.आई.आई.एम., जम्मू में प्रयोगशालाओं के बुनियादी ढांचे और चल रहे अनुसन्धान परियोजनाओं की जानकारी दी.। व्याख्यान में कई शोध कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई, जैसे की मुख्य रूप से संयत्र स्त्रोतों से बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों की खोज और विकास एवं कैंसर के नए अवरोधकों को डिज़ाइन करने के लिए केमो सूचना विज्ञानं दृष्टिकोण के आवेदन,तपेदिक, मलेरिया लक्ष्य आदि कई वैज्ञानिक के लिए उद्धृत करने के लिए कुछ उदाहरण हैं । इस बात से छात्रों को जो प्रेरणा मिली, वह उनके सवालों और मेहमानों के साथ चर्चा के माध्यम से स्पष्ट थी।

बातचीत का कार्यक्रम सवाल-जवाब के दौर के साथ संपन्न हुआ, जहा वैज्ञानिकों ने छात्रों के करियर सम्बन्धी और विज्ञान विषय सम्बन्धी शंकाओं का जवाब दिया, इसके बाद दर्शकों के बीच से एक छात्र द्वारा मेहमानों को इतनी ज्ञानवर्धक जानकारी प्रस्तुत करने के लिए आभार प्रगट किया गया। व्याख्यान ने छात्रों को अत्यंत प्रेरित किया और उनमे आई.आई.आई.एम, जम्मू की प्रयोगशालाओं में फील्ड वर्क को प्रत्यक्ष देखने की जिग्यासा जगाई। 25-9-2019 को आई.आई.आई.एम, जम्मू में छात्रों की यात्रा का आयोजन करके इसी खोज को पूरा किया गया।

प्रस्तुत रिपोर्ट:

रोसी धीमान (टी.जी.टी साइंस)

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक **1**,ऊधमपुर

**केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1,ऊधमपुर**

**जिग्यासा कार्यक्रम के तहत एकीकृत चिकित्सा के भारतीय संस्थान(आई.आई.आई.एम.),जम्मू के वैज्ञानिकों की विद्यालय यात्रा**

**26 जुलाई, 2019**